"वैसे तो आप बाप के बच्चे वी. वी. वी. आई. पी. हो | आप सबसे बड़ा तो कोई भी नहीं हैं....."

- अव्यक्त मुरली 17-09-2017 (रिवाइज 09.01.83)

हम वी. वी. वी. आई. पी. क्यों है?

क्योंकि....

1. हम विश्व के मालिक के बालक है।
2. हमने गोदरी में करतार को इन आँखों से देखा।
3. गुप्त रूप में आये विराट को पहचाना।
4. बाबा, मुरली और मधुबन - ये तीन अनमोल रत्न मिले।
5. हमने ही पूरे 84 जन्म लिए और चार धाम (चार युगों) की यात्रा की।
6. जब ब्रह्मा बुद्धि बाँट रहे थे तब हम जागरण की अवस्था में थे।
7. जब सारा संसार मूर्छा में है तब हमें भगवान ने सुरजीत किया है।
8. जब दुनिया में उल्लूओं की भरमार लगी है तब हमने ज्ञान सूर्य को देखा।
9. स्वयं भगवान हमारा पालनहार है।
10. हम गॉडली स्टूडेंट है, हमारी ऊँचे ते ऊँची पढ़ाई और ऊँचे ते ऊँचा पढ़ाने वाला है।
11. भगवान ने हमें दुनिया की भीड़ से उठाकर अपनी पलको में बिठाया है।
12. प्रभु प्रेम के प्याले का रसास्वादन का परम सुख हमें नसीब हुआ।
13. हम पूर्वज है, हमारा स्थान कल्प वृक्ष की जड़ों में है।
14. जब हम जगते है तो विश्व में सवेरा होता है और जब हम सोते है तो विश्व में अंधकार छा जाता है।
15. हम रूहानी सैल्वेशन आर्मी है, विश्व के डूबे हुए बेड़े को सैलवेज करते है।
16. भक्ति मार्ग में जितने भी यादगार है, त्यौहार है वो सब हमारी ही कल्प पहले की यादगार है।
17. हमने ही अपनी पूंछ से बेहद की लंका को जलाया है।
18. जिसको दुनिया असंभव समझती वो हमारे लिए नेचुरल है।
19. भगवान की हू इज हू डिक्शनरी में हमारा नाम है।
20. हमारे बिगर भगवान को भी चैन नहीं आता, सूना-सूना लगता है।
21. जब सारी दुनिया विनाशी नशों में धूर्त है, तब हम नारायणी नशे का पान कर रहे है।
22. संसार जब चेतना शून्य हो चूका है, तब हमारा सद्विवेक जागृत हुआ।
23. इतिहास में हम संगमयुगी स्वतंत्र सेनानियों के नाम सुवर्ण अक्षरो से लिखे जाएँगे।
24. भगवान की रहनुमा नजर हम पर ठहर गयी।
25. अनादि, आदि और अंत तीनो में ही हम महान है।
26. स्वयं भगवान हमारे लिए रोज नये-नये गीत बनाते है और गाते है।
27. जो सर्व बंधनों से मुक्त है, उनको हमने स्नेह की डोर में बाँध लिया है।
28. हमें कर्मों की गुह्य गति का सूक्ष्म ज्ञान मिला है।
29. हम ब्राह्मण कुल भूषण है, इतना बड़ा परिवार और सभी इतने महान, ऐसा प्रभु परिवार किसी का नहीं होगा।
30. जो कभी स्वप्न वा संकल्प में भी नहीं सोचा था वो प्राप्तियों का हम प्रैक्टिकल में अनुभव कर रहे है।
31. दुनिया वालों ने भगवान के हज़ारों नाम रखे है, और भगवान ने स्वयं हमारे लिए हजारों नाम वा टाइटल रखे है।
32. स्वयं खुदा हमारी खिदमत में हाज़िर-नाजिर है।
33. हम हाईएस्ट, होलिएस्ट, रिचेस्ट और लकीएस्ट इन द वर्ल्ड है।
34. दुनिया भगवान की माला फेरती है, और भगवान हमारी माला फेरते है।
35. दुनिया शिव पर जल की लोटी चढाती है, और शिव स्वयं रोज हम बच्चों पर ज्ञानामृत की लोटी चढ़ाते है।
36. हम कल्प-कल्प के विजयी रत्न है, सफलता हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है।
37. जिनकी एक झलक पाने के लिए लोग जान भी देने को तैयार है, वो हमसे जुदा नहीं, हम उनसे जुदा नहीं।
38. हम मास्टर मुक्ति जीवनमुक्ति दाता है, हमारे पास मुक्ति-जीवनमुक्ति धाम के गेट पास है।
39. स्वयं विचित्र चित्रकार ने फुरसत से हमारी तकदीर की तसवीर बनायी है।

40. सबकी नाव जब बीच भँवर में फँसी हुयी है, तब वो केवट स्वयं हमारी नाव को भवसागर से पार ले जा रहा है।
41. इन आँखों ने अभोक्ता को भोग स्वीकार करते देखा है, अकर्ता को नयी दुनिया रचते देखा है, अजन्मा को दिव्य जन्म लेते देखा है।
42. हमें सफल करने का अक्ल आया है, दुनिया में सबसे बड़ा इनश्योरेन्स हमारे पास है, जिसमें एक्ट ऑफ़ गॉड भी कवर होते है।
43. हम धरती के चैतन्य सितारे है।
44. हम दूसरों की भटकती हुई कश्ती को सही दिशा दिखाने वाले लाइट हाउस है।
45. हमारे पास सतयुग में जाने की एयर कंडीशन की टिकट है।
46. हमारे हर कदम में पदमों की कमाई समायी हुई है।
47. जहाँ पर भी हमारी नज़र पडती है, वो चीज पवित्र होती जाती है।
48. हम भगवान के नयनों के नूर, सिर के ताज और मस्तक मणि है।
49. हमारा रहने का स्थान भगवान का दिल तख़्त है, और भगवान हमारे दिल में रहता है।
50. दुनिया भगवान से डर रही है, और वो हमारा खुदा दोस्त है।
51. हम बेताज बादशाह और बिन कौड़ी विश्व के मालिक है।
52. ज्ञान और भक्ति, सुख और दुःख सब में हमारा ऑलराउंड पार्ट है।
53. सारा जग जिनको याद करता, वो रोज हमें याद प्यार देता है।
54. खुदा रोज मेरे लिए ख़त भेजते है।
55. हम जादूगर और सौदागर के बच्चे मास्टर जादूगर और मास्टर सौदागर है।
56. भगवान हम बच्चों से ही बात करते है, और किसी से बात नहीं करते।
57. हम भगवान के राईट हैण्ड है, उसने हमें अपना साथी बनाया है।
58. सूक्ष्म स्नेह की शक्ति से, रूहानी ममता से, अलौकिक खोरश से वो जगत नियंता गुप्त ही गुप्त हमारी पालना कर रहे है।
59. हम अवतार है, हमारा जन्म विशेष कर्तव्य के लिए हुआ है।
60. भगवान ने हमें लायक समझ अपने यज्ञ की बागडोर हमारे हाथ में सौंपी है।
61. ऊँची स्थिति वाले पांडव हम ही है, जिनका सारथी शिव परमात्मा है।
62. हम भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने वाले इष्टदेव है।
63. हम भगवान की बगिया के फूल है, मधुबन के चमन की बहार है, सृष्टि के श्रृंगार है।
64. हम विश्व में शान्ति की स्थापना करने वाले शांतिदूत है।
65. शंख, चक्र, गदा और पदम् हमारे ही अलंकार है।
66. महावीर हनुमान भी हम है और विघ्न विनाशक गणेश भी हम है।
67. हमारा ऊँचे से ऊंचा ब्राह्मण कल्चर है।
68. देहभान की मिट्टी पर हम पैर नहीं रखते।
69. हम सदा वैरायटी झूलों में झूलते है।
70. हम विश्व की स्टेज पर पार्ट बजा रहे है, पूरा विश्व हमें देख रहा है।
71. हम सच्चे राजऋषि, सहज राजयोगी और स्वराज्य अधिकारी है।
72. हम भगवान के ओरिजिनल बच्चे है।
73. हम अल्लाह के साथ दीन-ऐ-ईलाही धर्म की स्थापना कर रहे है।
74. हमें अल्लाह अव्वलदीन ने जादूई चिराग दिया है।
75. हम प्रेम, शांति, सहनशीलता, करुणा के अवतार है।
76. सतगुरु का मंत्र हम जन-जन के कानों में फूँक रहे है।
77. हमारा हाल खुशहाल है और चाल फरिश्तों की है।
78. हम मास्टर ऑलमाइटी अथॉरिटी है।
79. भगवान ने हमें अपना बनाकर मुस्कुराना सिखाया है।
80. खुदा हमारे लिये हथेली पर बहिश्त लेकर आये है।
81. हम आदि देव की प्रथम रचना है।
82. परमधाम में हमारी वी.आई.पी. सीट (शिवबाबा के सबसे समीप) है।

83. भगवान ने हमारे द्वारा ही नयी सृष्टि की शुरुआत करायी थी इसलिए हर कर्म की शुरूआत जिस्मानी ब्राह्मणों से करवाते है।
84. बिना सोचे भगवान हम पर सब कुछ लुटाते है।
85. हम कोटों में कोई, कोई में भी कोई है।
86. हमारे पास संतोष का परम धन है।
87. हम आध्यात्मिक संशोधक (Spiritual Researcher) है।
88. हम त्रिनेत्री, त्रिकालदर्शी और त्रिलोकीनाथ है।
89. हम इस ड्रामा में टॉप के पॉइंट (संगमयुग) पर है।
90. जब कहलाने वाले ज्ञानियों ने भी चों-चों का मुरब्बा कर दिया है तब हमें सत्य और स्पष्ट ज्ञान स्वयं ज्ञान के सागर से प्राप्त हुआ है।
91. हम विश्व के आधारमूर्त और उद्धारमूर्त है।
92. हमारा ही गायन है- ब्राह्मण देवताय नमः।
93. हम भगवान के गले का हार है।
94. हम दिलाराम की दिल पर आराम करने वाले है।
95. दुनिया एक बूँद की प्यासी है और हमें प्यार का अथाह सागर मिला है।
96. हम इच्छा मात्रम अविद्या है।
97. हमारे सदा विशेषताओं का चश्मा पहनते है।
98. धर्मराज के पास हमें चुंगी (tax) नहीं भरना पड़ता, वो भी हमें सलाम करते है।
99. हम चैतन्य दीपकों की किरणे विश्व के लिये छत्रछाया है।
100. हम सदा ज्ञान के मोती ही चुगते है।
101. भगवान का और हमारा जन्मदिन एकसाथ है। उनकी तरह हमारा भी जन्म दिव्य और अलौकिक है।
102. हम हर समय दिलखुश मिठाई खाते है और खिलाते है।
103. हम सच्चे साहब को राजी करने वाले साहबजादे और साहबजादियाँ है।
104. हम मास्टर मायापति और मास्टर प्रकृतिपति है।
105. हम कर्म सन्यासी नहीं, विकर्म सन्यासी है।
106. हम प्यूरिटी और प्रसन्नता की पर्सनैलिटी वाले है।
107. समय हमारी रचना है, हम समय को समीप लाने वाले है।
108. पंचमुखी ब्रह्मा के बच्चे हम भी पांच स्वरुप वाले है।